9/4/25: पत्रावली पेश हुई। वकुलाले जाबीके उपस्थित। वादिगण 1, से 4 स्वयं उपस्थित। वादिगण की ओर एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि हम वादिगण व प्रतिवादीगण के मध्य आपसी राजीनामा हो गया। इसलिए वाद को आगे नहीं चलाना चाहते हैं। विड्रॉ करने की अनुमति प्रदान करें। प्रा0पत्र पर सुना गया। प्रा0पत्र बाबत विड्रॉ स्वीकार कर वाद की विड्रॉ करने की अनुमति दी जाती है। वादिगण 1, से 4 की पहचान उनके अधिवक्ता श्री विश्वनाथ के द्वारा की गई ... वादिगण इसी ... किया गया है। पत्रावली ... होकर दाखिल दफ्तर हो।

श्री. ... कंवर

नीतु कंवर

शिवराज ...

जीवराजसिंह

प. स. ...

(विश्वनाथ अनुवाल एडवोकेट)